



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्रतीपकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 146]  
No. 146]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 20, 1988/आषाढ़ 29, 1910  
NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 20, 1988/ASADHA 29, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

## वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. 29 आईटीसी (पीएन)/88-91

नई दिल्ली, 20 जुलाई, 1988

विषय:-- (1987-88) के लिए 371 मिलियन येन की जापानी अनुदान  
सहायता के अंतर्गत उपस्कर स्थापित करने/उपस्कर के परिवहन  
के लिए आवश्यक कृषि मशीनरी और सेवाओं के लिए प्रशिक्षण  
और परीक्षण उपस्करों के आयात के लिए लाइसेंसिंग करें।

फाइल सं. 23(43)/85-88.— 1987-88 के लिए  
371 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अंतर्गत उपस्करों के  
स्थापन/परिवहन के लिए आवश्यक कृषि मशीनरी और सेवाओं के लिए  
प्रशिक्षण और परीक्षण उपस्करों के आयात को नियंत्रित करने वाली  
वस्तु जो प्रस्तुत करें। सूचना के परिशिष्ट में दो गई हैं जानकारी  
के लिए अधिसूचित की जाती हैं।

राजीव लोचन मिश्र, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 29 आईटीसी(पीएन)/  
88—91, दिनांक 20-7-1988 का परिशिष्ट।

1987-88 के लिए येन 371 मिलियन (येन 371,000,000)  
की जापानी अनुदान सहायता के अंतर्गत उपस्करों के स्थापन/भारत के  
पत्तनों पर परिवहन के लिए आवश्यक कृषि मशीनरी और सेवाओं के लिए  
प्रशिक्षण और परीक्षण उपस्करों की खरीद के लिए लाइसेंसिंग करें।

खण्ड-1 सामान्य करें

1. (1) 1987-88 के लिए 371 मिलियन येन (लगत एवं भाड़ा)  
की जापानी अनुदान सहायता का प्रयोग कर मशीनरी संस्थानों द्वारा  
उपस्करों के स्थापन/भारत के पत्तनों तक परिवहन के लिए आवश्यक  
कृषि मशीनरी और सेवाओं के लिए प्रशिक्षण और परीक्षण उपस्करों की  
खरीद के लिए जापानी संस्थानों को प्रभावित के लिए किया जाना है।

1. (2) आयातक के नाम में आयात लाइसेंस कुल निर्यातकर 408  
मिलियन येन (आगत-बीमा-भाड़ा) मूल्य से अधिक के लिए जारी नहीं किए  
जाने चाहिए और उन पर एक सीमांक 1987-88 के लिए 371 मिलियन येन  
जापानी अनुदान सहायता होना चाहिए। प्रथम और द्वितीय प्रत्यक्ष के  
लिए लाइसेंस संकेत "एस/जे एम" होगा।

1. (3) बैंक आफ इंडिया टोकियो के बैंक खर्चेंजितका प्रेषण सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से किया जा सकता है, के अतिरिक्त विदेशी मुद्रा के किसी भी प्रेषण की अनुमति आयात लाइसेंस के लिए नहीं दी जाएगी भारतीय अधिकारियों के कमीशन यदि कोई हों, तो के प्रति कोई भी भुगतान अधिकता को भारतीय रुपए में चुकाया जाना चाहिए, लेकिन ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग में होंगे और इसलिए लाइसेंस पर ही प्रभारित किए जाएंगे।

1. (4) उपस्कर, और सेवाएं केवल जापान/भारत से ही इस अनुदान सहायता के अर्जन अधिप्राप्त की जानी चाहिए, खरीद आदेश केवल जापानी संस्करणों को ही दिए जाने चाहिए।

1. (5) आयात लाइसेंस लागू-बीमा-भाड़ा के आधार पर 31-3-89 की धंधता अवधि के लिए जारी किया जाएगा।

1. (6) संविदाएं नुकद आधार पर अर्थात् बैंक आफ इंडिया, टोकियो को जापानी संस्करणों द्वारा पोतलदान दस्तावेजों को प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। उसमें सुपुर्वगी की अवधि के लिए भी इस प्रकार व्यवस्था होनी चाहिए।

“सुपुर्वगी 15-3-1989 तक पूर्ण की जानी है।”

1. (7) (लागत बीमा भाड़ा/जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य) के आधार पर संविदा का मूल्य येन में दर्शाया जाता चाहिए (येन की भिन्न को हटाया जाना चाहिए) और यदि कोई हो तो भारतीय अधिकता का कमीशन शामिल नहीं किया जाना चाहिए। भारतीय रुपए या अन्य किसी मुद्रा में ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थिति में अभिव्यक्त नहीं होना चाहिए।

जहाज पर्यन्त निःशुल्क लागत और भाड़ा धनराशि अलग-अलग प्रदर्शित की जानी चाहिए, परन्तु ठेके में यह बात स्पष्ट कर देनी चाहिए कि भाड़े का खर्चा वास्तविक आधार पर वेय होगा य. ठेके में निश्चित किए गए भाड़े का खर्च वास्तविक खर्चों के अतिरिक्त येन धनराशि होगी।

1. (8) क्रय संविदा जापानी येन में केवल जापानी राष्ट्रिकों या जापानी राष्ट्रिकों द्वारा नियमित जापानी व्यापिक व्यक्तियों से साथ की जानी चाहिए।

खण्ड-2 संस्करण ठेकों में निम्नलिखित शर्त विधेय रूप से समाविष्ट होना चाहिए :-

3. (1) 1987-88 के लिए 371 मिलियन येन की अनुदान सहायता संयुक्त इस संविदा की व्यवस्था 21 अप्रैल, 1988 को भारत और जापान की सरकार के बीच इस समझौते के अनुसार की गई है और यह दोनों सरकारों के अनुमोदन के अधीन होगी।

3. (2) विशेषी संस्करणों को भुगतान उग “भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र” (ए/पी) के माध्यम से किया जाएगा जो 1987-88 के लिए जापानी अनुदान सहायता के अधीन बैंक आफ इंडिया, टोकियो के नाम में सहायता एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय, अधिक कार्य विभाग, यू.सी.ओ. बिल्डिंग, पर्सिम्पसेट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001 द्वारा जारी किया जाएगा।

3. (3) जापानी संस्करण ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत ( जो एक ओर भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओर जापान सरकार द्वारा अधिषिक्त हों।

2. (4) जापानी संस्करण भारतीय दूतावास, टोकियो के परामर्श से पोत-परिवहन व्यवस्था करने के लिए सहमत है और इस इराजान के लिए वह इसमें सम्मिलित माल की सुपुर्वगी कार्यक्रम की सूचना भारतीय दूतावास टोकियो को देगा और अधिषिक्त पोत परिवहन के कम से कम 6 महीने पहले, भारतीय दूतावास को अधिषिक्त करेगा ताकि उपर्युक्त व्यवस्था की जा सके। अपवाद रूप में, यदि आयातक के लिए अपेक्षित

हो तो नोटिस की अधि कम कर दी जाए। जापानी संस्करण को प्रत्येक पोतलदान के बाद आयातक को आवश्यक व्यौरें देते हुए केवल अधिक भेजे के लिए भी सहमत होना चाहिए और उसकी प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो को भी भेजी जानी चाहिए।

खण्ड-3 भारत सरकार और जापान द्वारा ठेके का अनुमोदन :-

3. (1) जैसे ही आदेशों को अंतिम रूप दे दिए जाते हैं, लाइसेंस धारी को दोनों पार्टियों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित ठेके की पांच प्रतियां या जापानी संस्करणों को भारतीय आयातक द्वारा दिए गए क्रय आदेश के साथ जापानी संस्करण द्वारा लिखित रूप में पुष्टिकरण आदेश की चार प्रतियां या सभी प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियों के साथ अनुसूच्य-1 के प्रपत्र में “ए/पी” जारी करने के आदेश की दो प्रतियों सहित अक्षर सचिव (टीसी) आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए। उपर्युक्त प्रक्रिया संविदा की विषय-वस्तु या उसकी कीमत के आवश्यक आशोधनों से उत्पन्न सभी संविद. संशोधनों के लिए भी लागू होगी।

3. (2) वित्त मंत्रालय (डी ई ए) जापान अनुभाग 1987-88 के लिए 371 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अधीन विपक्षित देने के लिए संविदा की दो प्रतियां जापान सरकार की अनुमोदन के लिए भेजे और इसी के साथ-साथ उपर्युक्त (1) में उल्लिखित दस्तावेजों का एक-एक सेट लेखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक और भारत के दूतावास, टोकियो को भी भेजा जाएगा।

3. (3) जापान सरकार से ठेका अनुमोदन प्राप्त करने के बाद वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग, नार्थ ब्लॉक का जापान अनुभाग उसकी सूचना सहायता लेखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, यू.सी.ओ. बैंक बिल्डिंग, संसद् भवन, नई दिल्ली- 0001 को देगा जो कि जापानी संस्करण को भुगतान करने के लिए बैंक आफ इंडिया टोकियो को अनुसूच्य-2 के अनुसार एक “भुगतान प्राधिकार पत्र” (ए/पी) जारी करेगा। प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्रतियां भारत का दूतावास टोकियो, आयातक, भारत में आयातक के बैंक और वित्त मंत्रालय, अधिक कार्य विभाग के जापान अनुभाग को भेजी जाएगी।

3. (4) भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्राप्ति के बाद बैंक आफ इंडिया टोकियो जापान सरकार, भारत का राजदूतावास टोकियो, भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को सूचना देते हुए इस प्राप्ति की सूचना से संस्करण को अवगत कराएगा।

3. (5) पोतलदान करने के बाद जापानी संस्करण अपने बैंकों के माध्यम से ए/पी में उल्लिखित दस्तावेज बैंक आफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा। यदि दस्तावेज नहीं पाए गए तो बैंक आफ इंडिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि जापानी संस्करण को अपने बैंकों के माध्यम से रिहा करेगा।

3. (6) जापानी संस्करण की भुगतान की व्यवस्था करने के लिए बैंक आफ इंडिया टोकियो का वेय बैंक खर्च भारत सरकार के ठेके को प्रमात्रित किए बिना सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से भारत में आयातक से संबद्ध बैंक द्वारा बैंक आफ इंडिया टोकियो को धन परेषित करके निम्नलिखित नियमित किया जाएगा।

खण्ड 4 - रुपया कम करने का उपाय दिख

4. (1) मूल विनिर्दिष्ट पोत परिवहन दस्तावेज साथ ही साथ बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भारत में आयातक के संबद्ध बैंक को भेजे जाएंगे जो भारतीय स्टेट बैंक या किसी भी राष्ट्रीय बैंक या अनुसूच्य-1 के (ए) में उल्लिखित है की शाखा होगी। उक्त बैंक को दस्तावेजों के ये विनिर्दिष्ट सेट केवल हफ्ता दो मुनिश्चय करने के बाद ही सम्बद्ध

आयातक को देने चाहिए कि जापानी संभरक को चुकाई गई येन धनराशि के बराबर रुपया सार्वजनिक सूचना सं. 74-आईटीसी (पीएन)/74, दिनांक 31-5-74 और जिसे सार्वजनिक सूचना सं. 103-आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 12-10-76 द्वारा संशोधित किया गया था के अनुसार सरकारी लेखों में जमा कर दिया गया है। भुगतानों को येन धनराशि के बराबर रुपए की गणना करने के लिए भुगतानों को येन विनिमय दर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्गत की सार्वजनिक सूचना सं. 8-आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 17-1-76 में निर्धारित मुद्रा विनिमय की मिश्रित दर होगी या वह दर होगी जो कि मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्गत की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनिमय नियंत्रण परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर अधिमूर्चित की जाए। इस संबंध में कोई भी परिवर्तन जब और जैसे ही आवश्यक होगा अधिमूर्चित कर दिया जाएगा। इस बात का सुनिश्चय करने का उत्तरदायित्व संबद्ध भारतीय बैंक का होगा कि आयात दस्तावेज आयातकों को सौंपने से पहले वेन धनराशि सरकारी लेख में सही रूप में जमा कर दी गई। लाइसेंसधारी को भी यह सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि अपने बैंकों से दस्तावेज लेने से पहले ही वेन धनराशि लेखों में सही रूप में जमा कर दी गई। यह सुनिश्चय करने की आयातक की जिम्मेदारी होगी कि वेन धनराशि सरकारी लेखों में ठीक से जमा करवा दी गई है जब कि उन्होंने विशेष परिस्थितियों में सीमा शुल्क प्राधिकारियों से माल की सुपुर्गो प्राप्त की है उस मामले में जब आयातक सरकार को वेन धनराशि माल छुड़वाने से पूर्व जमा करवाने में असमर्थ होता है तो उसे प्रां. ए/पी जारी करना रोक दिया जाएगा और मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्गत का तथ्यों से अवगत करवाया जाएगा जिससे ऐसे आयातक को प्रां. कोई आयात लाइसेंस न जारी किया जाए। केन्द्रीय सरकार के विभागों द्वारा किए गए आयातों के संबंध में किसी विस्म का ब्याज नहीं लिया जाएगा। जिस लेखा शीट में उपर्युक्त रुपया जमा करना चाहिए वह "कि डिपॉजिट एण्ड एडवांजि-843 मिजिल डिपॉजिट्स-डिपॉजिट फोर परचेंजिंग एटट्रु एंड परचेंजिंग अन्डर ग्रांट एण्ड फाम दि गवर्नमेंट, आफ जापान" फार 1987-88 ग्रांट फार परचेंजिंग आफ दि ट्रेनिंग एण्ड टेस्टिंग इन्विपमेंट फार एग्सी-कल्वरल मशीनरी एण्ड सर्विस फार बि इन्सटालेशन/ट्रांसपोर्टेशन आफ इन्विपमेंट टू पोर्टल इन इंडिया बाई वि फार्म मशीनरी इस्टेड्यूट होगा।

4(2) उल्लिखित धनराशि जालान के दाहिने धीर कोड सं. 5130000009 दर्शाते हुए या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक आफ इंडिया तीस हजारी, दिल्ली में सरकार की साख में नकद जमा होनी चाहिए या यदि वह सुविधाजनक न हो तो स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा या इसके उपसंगी किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक (टुण्डी कर्ता) से प्राप्त एक टुण्डी (डिमाण्ड ड्राफ्ट) के माध्यम से स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी शाखा, दिल्ली-6 (टुण्डी ग्राहक और प्रापक) की सार्वजनिक सूचना सं. 184-आईटीसी (पीएन)/68 दिनांक 30-8-1968, सं. 233-आईटीसी (पीएन)/68, दिनांक 24-10-68 सं. 132-आईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-71, सं. 74-आईटीसी (पीएन)/74, दिनांक 31-5-74 और सं. 103-आईटीसी (पीएन)/76 दिनांक 12-10-76 में यथा निर्धारित सरकारी लेखों में जमा करने के लिए धन-प्रेषण करना चाहिए।

4(3) सरकार द्वारा ऐसा मांग किए जाने के बावजूद जिनों के भीतर भारतीय बैंक की ऊपर निर्धारित तरीके से वह प्रतिरिक्त धनराशि सेवा खर्चों के निमित्त मेजेगा जो भारत सरकार द्वारा मांगी जाए। जालान के विभिन्न कालमें को भ्रते समय आयातकों/उनके बैंकों को इस बात का सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 103-आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 2-10-76 के साथ पढ़ी जाने वाली सार्वजनिक सूचना सं. 132-आईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-71 के पैरा-2 में निर्धारित सूचना और सार्वजनिक सूचना सं. 74-आईटीसी (पीएन)/74, दिनांक 31-5-1974 में भी निर्धारित सूचना जालान के जालान

"धन प्रेषण और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण व्योरे में निरपवाद रूप से निर्दिष्ट किए गए हैं। खजाना जालान में निम्नलिखित व्योरे निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए:--

- (क) वित्त मंत्रालय के भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र सं. और जिनिक
- (ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में भुगतानों की परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप किए जाने हैं।
- (ग) जापानी संभरक को भुगतान करने की तिथि।
- (घ) चुकाए गए ब्याज की धनराशि और वह अवधि जिसके लिए यह गिना जाएगा।
- (ङ) जमा की गई कुल धनराशि

(ब्याज की गणना जापानी संभरक का भुगतान की तिथि से सरकारी लेखों में समतुल्य रुपया जमा करने की तिथि तक की अवधि के लिए की जानी है)।

उसके पश्चात् सी.ए.ए. एण्ड ए. द्वारा जारी किए गए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र का संबंध देते हुए और बीजक तथा पोत परिवहन दस्तावेजों को संलग्न करते हुए खजाना जालान रुपया जमा करने का साथ देते हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी.ए.ए. एण्ड ए. को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी :-- भारत के आयातक के बैंक को यह सुनिश्चय करना चाहिए कि रुपये का निक्षेप बैंक आफ इंडिया, टोकियो से आयातों की सूचना और अपरिवर्तनीय पोतलवान दस्तावेजों की प्राप्ति के दस दिनों के भीतर निरपवाद रूप से किया जाना चाहिए और यह कि इसके तत्काल बाद सी.ए.ए. एण्ड ए., वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), नई दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

4(4) भारत में संबद्ध बैंक आफ इंडिया को लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रती पर रुपया निवेशों की धनराशि का पुष्टीकरण करना चाहिए और अपेक्षित "एस" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक आफ इंडिया, बम्बई को भेजना चाहिए।

#### खण्ड-5 विविध प्रावधान

##### 5(1) अनुदान सहायता के उपयोग की रिपोर्ट

भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी होने के बाद आयातक को पोतलवानों और उनके अधीन किए गए भुगतानों के संबंध में और जो पोतलवान होने बाक हैं उनके विषय में एक वार्षिक रिपोर्ट सी.ए.ए. एण्ड ए. आर्थिक कार्य विभाग वित्त मंत्रालय, यू.सी.ओ. बैंक डिस्ट्रिक्ट, संसद मार्ग नई दिल्ली को भेजना चाहिए।

5(2) आयातक को चाहिए कि वह इस अनुदान सहायता के अंतर्गत माल के आयात से संबंधित किसी ऐसे विशेष शर्त से संभरक को अवगत कराए जो समझौते का पावन करने में संघर्षों पर प्रभाव डालती है।

##### 5(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि आयातक और संभरकों के बीच यदि कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतानों से पूर्ण संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्त साफ-साफ "भुगतान के नियमों" में अनुबन्ध 1 में आयातक द्वारा दशाई जानी चाहिए। विवादों से निपटने की शर्त की शर्तों में शामिल होनी चाहिए।

## 8(4) अधिष्ठापन

आयातों या उनके संबंध में उत्पन्न किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित जापान से 1986-87 के लिए अनुदान सहायता के अधीन सभी आयातों को पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निदेशों या अनुदेशों का आयातक को पुराना बालन करना होगा।

## 8(5) प्रतिक्रिया या उत्तर

उपरोक्त खण्डों में निर्धारित की गई बातों के प्रतिक्रिया या उत्तर बन करी पर आयात-नियति (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्रवाई की जाएगी।

## 8(6) अनुबंधों की सूची

अनुबंध-1 भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) जारी करने के लिए प्रार्थना करने का प्रपत्र।

अनुबंध-2 भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) का प्रपत्र।

अनुबंध-1

"भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए प्रार्थना पत्र"

संख्या-----

दिनांक-----

सेवा में,

सहायता सेवा तथा सेवा परीक्षा नियंत्रक,  
वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग,  
ब्लू. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग, प्रथम मंजिल,  
पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001

विषय :-- 1987-88 के येन 371 मिलियन की जापान अनुदान सहायता के अंतर्गत उपस्करों को स्थापित करने/जापान से भारत के पत्तनों तक उपस्करों के परिवहन के लिए आवश्यक कृषि मशीनरी और सेवाओं के लिए परीक्षण और प्रशिक्षण उपस्करों का आयात।

महोदय,

ऊपर लिखित अनुदान सहायता के अधीन जापान से उपर्युक्त उपस्कर के आयात के संबंध में हम आपको निम्नलिखित ध्याया भेजते हैं। जिससे कि आप सम्बद्ध जापानी संभरक के पत्र में बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) जारी कर सकें।

(क) भारतीय आयातक का नाम और पता।

(ख) आयात लाइसेंस की सं., दिनांक और मूल्य और तिथि जब तक यह वैध है।

(ग) अधिप्राप्ति के तरीके क्या यह प्रत्यक्ष करीब पर आधारित है या सीमित खुली निविदा पर आधारित है। इस मामले में कार्यों सहित यह निश्चित करना है कि क्या संविदा का निर्णय उपर्युक्त तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया।

(घ) भाषा का संक्षिप्त विवरण।

(ङ) भाषा का उद्गम देश।

(च) संविदा का कूल लागत और भाड़ा मूल्य (येन में)।

(छ) यदि कोई हो तो, भारतीय रुपये में भारतीय ऐजेंट के कमीशन की धनराशि (येन में)।

(ज) बहुकूल लागत तथा भाड़ा मूल्य (येन में) जिसके लिए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की आवश्यकता है।

(झ) जापानी संभरकों के साथ की गई संविदा की संख्या और दिनांक

(झ) जापानी संभरक का नाम और पता।

(ट) वे भुगतान और संभावित तिथि जिनको संविदाओं के अंतर्गत भुगतान देय होंगे।

(ठ) माल की सुपुर्दगी पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथियां।

(ड) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक सेट की संख्या और उनका निपटान दर्शाते हुए)।

(ड) पोतलवान अनुदेश (अनुदेश या गैर अनुदेश वाहनास्तरण/आर्थिक पोतलवान) निश्चित कीजिए।

(ण) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।

(त) आयातक द्वारा बतलावतः-- "हम एतद्वारा बतल देते हैं कि हम विदेशी संभरक को देय धनराशि के समतुल्य रुपये की पूर्ण धनराशि को सरकार द्वारा निर्धारित क्रियाविधि से और प्रचलित दर पर सही रूप से जमा करवा देंगे। माल (आयातित सामग्री) के प्रत्येक परेक्षण की सुपुर्दगी प्राप्त करने से पूर्ण राशि शीघ्र ही जमा करवा दी जाएगी। विदेशी राष्ट्रों की सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में, जैसे ही हमारे द्वारा विदेशी संभरक के संगत बीजक अनुमोदित किए जाते हैं और संभरक को भुगतान किया जाता है, जैसे ही राशि जमा करवा दी जाएगी।

अनुबंध-2

आर्थिक कार्य विभाग

नई दिल्ली, दिनांक

सेवा में

बैंक आफ इंडिया,  
टोकियो शाखा,  
टोकियो (जापान)

विषय :-- येन 371 मिलियन की जापान अनुदान सहायता के अंतर्गत उपस्कर स्थापित करने जापान से भारत के पत्तनों तक उपस्कर के परिवहन के लिए आवश्यक कृषि मशीनरी और सेवाओं के लिए परीक्षण और प्रशिक्षण उपस्करों का आयात।

प्राधिकार पत्र जारी करना।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ ..... को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा परिशिष्ट में दिा गए यका संलग्न ध्योरे के अनुसार संबंधी ..... को ..... येन धनराशि के भुगतान के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. कृपया भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की पावती के बारे में संभरकों को सूचना दें और इसको प्रत्येक सूचना पत्र की एक प्रति जापान सरकार आयातक बैंक, भारत के राजदूतावास, टोकियो और इस मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाए।

3. भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की शर्तों के अनुसार भुगतान परिशिष्ट में यका संकेतिक खान बस्तावेजों के आधार पर किया जाएगा।

4. आयातक द्वारा आपको देय बैंकिंग प्रभार जिनमें बस्तावेजों पर लगने वाले प्रभार और विदेशी संभरकों बैंकों के प्रभार शामिल हैं, यदि कोई हो तो आयातक के बैंक द्वारा सीधे ही निर्धारित किए जाएंगे।

5. जैसे ही जापानी संभरक द्वारा प्रस्तुत किए गए लवान बस्तावेज आर्थिक के आधार पर आपके द्वारा कोई भी भुगतान किया जाता है तो

इसकी सूचना निर्धारित प्रपत्र में इस मंत्रालय और आयातक के बैंक को भेजी जानी चाहिए।

6. इस मंत्रालय की विशेष अनुमति के बिना भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र के लिए कोई भी संशोधन जारी नहीं किया जा सकता है।

7. यह भुगतान प्राधिकार पत्र..... तक वैध रहेगा।

भवदीय,

(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित:-

1. आयातक..... को उनके पत्र सं.....

..... दिनांक ..... के संदर्भ में। उससे अनुरोध किया जाता है कि वे बैंकों से परामर्श दस्तावेजों की सुपुर्वी लेने से पूर्व अपने बैंकों के माध्यम से रुपये निक्षेप प्राप्ति को जमा करवाने की व्यवस्था करें। यदि विशेष परिस्थितियों की वजह से मूल परिवहन दस्तावेज प्रस्तुत किए बिना सीमा शुल्क प्राधिकारियों और पतन के प्राधिकारियों से माल की सुपुर्वी सीमा ही प्राप्त कर ली हो, तो वहां सुपुर्वी प्राप्त करने से पूर्व घनराशि जमा करवानी चाहिए। विदेशी संभरकों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले, जैसे ही भुगतान के लिए बीजक अनुमोदित किए जाते हैं वैसे ही घनराशि जमा करवा देनी चाहिए। बीजक ही और सही रूप से घनराशि जमा करवाने में असमर्थ होने पर लाइसेंसिंग शर्तों में उल्लिखित कार्रवाई की जाएगी।

2. आयातक बैंक..... उनसे निवेदन किया जाता है कि भारतीय बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो ब्रांच से दस्तावेज प्राप्त करने पर जापानी संभरकों को येन के बराबर रुपया जमा करने की व्यवस्था करें। विदेशी संभरकों को चुकाई गई घनराशि के रुपये की गणना सार्वजनिक सूचना सं. 8-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76 या ऐसी अन्य सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए, के अनुसार विदेशी संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन की मिथित दर पर की जाएगी। विदेशी संभरकों को भुगतान करने की तिथि से सरकार के लेख में तुल्य रुपया जमा करने की तिथि तक की अवधि के लिए सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 के अनुसार पहले 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत वार्षिक दर पर और इससे अधिक की गणना की गई अवधि के लिए 18 प्रतिशत की दर से व्याज भी सरकारी लेख में जमा कराना होगा। व्याज दोनों दिनों के लिए दिया जाएगा क्योंकि वह तिथि जिसकी विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और वह तिथि भी जिसको सरकारी लेख में रुपया निक्षेप किया जाता है। (इस दर में यदि कोई परिवर्तन किया गया तो तुरंत उसकी सूचना दी जाएगी)। यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आयातक को सीमा शुल्क निकासी के लिए आयात दस्तावेजों का मूल सौट दिए जाने से पूर्व यह घनराशि जमा की जानी है।

येन घनराशियां आयात के दायित्व घोर कोड सं. 5130000009 वस्तु है हुए या तो रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया तीस हजारी में जमा करनी चाहिए या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की किसी शाखा या इसकी अनुबंधी संस्थाओं या किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक से उनके द्वारा प्राप्त की गई स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, तीस हजारी शाखा, दिल्ली-6 (आदेशित और आदाता) के नाम में और उसकी देय दर्शनी हुण्डी के माध्यम से करनी चाहिए। इस संबंध में आपका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं. 233-आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 24-10-68, सं. 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक, 5-10-71, सं. 74-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 और सं. 103-आई टी सी (पी एन)/

76, दिनांक 12-10-76 की शर्तों को ध्यान दिया जाता है। लेखा शीर्ष जिसमें घनराशि जमा की जाएगी वह विस्तृत लेखा शीर्ष के अर्धेन "भारत में उपस्करों के स्थापन/पतनों पर परिवहन के लिए आवश्यक उपस्करों और सेवाओं की खरीद के लिए वेन निम्नित प्रदान सहायता" के डिपोजिट्स एण्ड एक्वासिज-843 मिबिल डिपोजिट्स-डिपोजिट्स फार परचेजिबल एटमेन्ट एक्वाड-परिचेजिबल ग्रांड एंड फाय दि गवर्नमेंट ऑफ जापान फार 1988"

जिन मामलों में तुल्य रुपया रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, तीस हजारी में सार्वजनिक सूचना सं. 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-71 के अनुसार नकद जमा किया जाता है उनमें आयात की मूल रूप में एक प्रतिलिपि बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो शाखा में प्राप्त सूचना टिप्पणी का पूर्ण विवरण देते हुए अवशेष पत्र सहित उनके द्वारा निम्नलिखित पत्र पर भेजी जाएगी:-

सहायता लेखा तथा परीक्षा निम्नक, वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) पहलेी संजिल, यूरोपीय बैंक बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली

जिस मामले में तुल्य रुपया ऊपर संकेतित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दर्शनी हुण्डी द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचना उपर्युक्त पत्र पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में व्याज की चुकाई गई घनराशि और जिस अवधि के लिए व्याज की गणना की गई है और उसके साथ जमा किए गए तुल्य रुपये का पूरा ब्यौरा इस विभाग को भेजना चाहिए।

समुद्रपार संभरक के बैंकर के खर्चों सहित यदि कोई हो तो, बैंकिंग खर्च और बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो ब्रांच के अन्य खर्च भारत के बैंक और बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो शाखा द्वारा सीधे ही निर्धारित किए जाएंगे।

3. भारतीय दूतावास टोकियो,

4. धवर सचिव (टी सी) शाखा, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

लेखा अधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE  
IMPORT TRADE CONTROL  
PUBLIC NOTICE NO. 29 ITC(PN)|88-91

New Delhi, the 20th July, 1988

Subject :—Licensing Conditions for import of training and testing equipment for agricultural machinery and services necessary for installation|transportation of the equipment under Japanese Grant Aid of Yen 371 million (1987-88).

No. IPC|23(43)|85-88.—The terms and conditions governing import of training and testing equipment for agricultural machinery and Services necessary for installation|transportation of the equipment under Japanese Grant Aid of Yen 371 million (1987-88), as given in Appendix to this Public Notice are notified for information.

R. L. MISRA, Chief Controller of  
Imports & Exports

Licence Conditions for purchase of training and testing equipment for agricultural machinery and services necessary for installation|transportation of the equipment to ports in India under Japanese Grant Aid for 1987-88 of Yen 371 million (Yen 371,000,000).

#### Section I : General Conditions :

I. (i) The Japanese Grant Aid for 1987-88 of Yen 371 million (C&F) is intended to be used for financing payments to Japanese suppliers for purchase of training & testing equipments for agricultural machinery and services necessary for installation of the equipment|transportation thereof to port in India, by the Farm Machinery Institutes.

I. (ii) The import licence should be issued for an amount not exceeding Yen 408 million (CIF) in favour of the importer and should bear the superscription "Yen 371 million Japanese Grant Aid for 1987-88". The licence code for the first and second suffix will be "SJN".

I. (iii) No remittance of foreign exchange will be permittance of foreign exchange will be permitted against the import licence, except bank charges to the Bank of India, Tokyo which may be remitted through normal banking channels. Payment towards Indian Agent's Commission, if any, should be made in Indian rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I. (iv) The equipment and services should be procured only from Japan|India under this Grant Aid. The purchase order should be placed only on the Japanese suppliers.

I. (v) The import licence will be issued on CIF basis with validity upto 31-3-1989.

I. (vi) The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents by the Japanese suppliers to the Bank of India, Tokyo. It should also provide for the period of delivery as follows :

"delivery to be completed by 15-3-1989".

I. (vii) The contract value (C&F|FOB basis) should be expressed in Yen, (fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's Commission, if any. In no circumstances the contract value should be expressed in any other currency.

The FOB cost and freight amount should be shown separately but it should be clarified in the contract itself whether the freight will be payable on actual basis or whether the freight charges indicated therein would be the amount payable irrespective of the actual charges.

I. (viii) The purchase contract should be entered into only in Japanese Yen with the Japanese nationals or Japanese juridical persons controlled by Japanese nationals.

Section II : The following provision should be specifically incorporated in the supply contract :—

II. (i) The contract is arranged in accordance with the Agreement dated the 21st April, 1988 between the Government of India and Government of Japan concerning the Grant Aid of Yen 371 million for 1987-88 and will be subject to the approval of both the Government.

II. (ii) Payments to the suppliers shall be made through an 'Authorisation to Pay' (A/P) which will be issued by the Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 in favour of the Bank of India, Tokyo under the Japanese Grant Aid for 1987-88.

II. (iii) The Japanese suppliers agree to furnish such information and documents as may be required by the Government of India on the one hand and the Government of Japan on the other.

II. (iv) The Japanese supplier agree to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India, at least six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements should be made. In exceptional cases, where the importer require it this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

#### Section III : Contract Approval by Governments of India and Japan

III. (i) As soon as the orders are finalised, the importer should forward to the Under Secretary (TC), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block, New Delhi, 5 copies of the contract duly signed by both parties or purchase orders by the Indian importer placed on the Japanese supplier supported by order confirmation in writing by the Japanese supplier or their photo copies complete in all respects together with two copies of the "Request for issue of A/P" in the form at Annex I. The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of contracts or in its price.

III. (ii) The Ministry of Finance (DEA), Japan Section will arrange to send two copies of the contract to the Government of Japan for their approval for financing under the Japanese Grant Aid for 1987-88 of Yen 371 million, and one set of the documents mentioned in (i) above will also be sent to the CAA&A and the Embassy of India in Tokyo simultaneously.

III. (iii) On receipt of the contract approval from the Government of Japan, the Japan Section of the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance,

North Block will inform the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 of the same who will issue an 'Authorisation to Pay' (A/P) to the Bank of India, Tokyo in the form at Annex. II for making payment to the Japanese supplier. Copies of the A/P will be endorsed to the Embassy of India, Tokyo, the importer, importer's Bank in India and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance:

III. (iv) On receipt of the Authorisation to Pay (A/P) the Bank of India, Tokyo will intimate the fact of this receipt to the Japanese supplier under intimation to the Government of Japan, Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India and the CAA&A.

III. (v) The Japanese supplier shall, after effecting shipment present through his bankers the documents specified in the A/P to the BOI, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the Japanese supplier through his bankers.

III. (vi) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for arranging the payment to the Japanese supplier shall be settled by the concerned importer's in India by remittance to the BOI, Tokyo through normal banking channel without affecting the Government of India's account.

#### Section IV : Responsibility for rupee deposit.

IV. (i) The original negotiable shipping documents will be invariably forwarded by the Bank of India, Tokyo, to the concerned importer's bank in India which would be a branch of the State Bank of India or any of the nationalised banks as mentioned in (O) in Annexure I who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the rupee equivalent of the Yen Payments made to the Japanese supplier alongwith interest charges there on calculated at the rate of 12 per cent per annum for the first thirty days and at 18 per cent for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Japanese supplier to the date of actual rupee deposit, is deposited into Government of India account in terms of the Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the day on which rupee deposits are made into Government account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen Payment will be the prevailing composite rate of exchange as laid down in CCI&E Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange central circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as also when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amounts

due are correctly deposited into Government Account before the import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amounts due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities under exceptional circumstances. In case the importer fails to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further A/P to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances-843-Civil Deposits—Deposits for purchases etc., abroad purchases under Grant Aid from the Government of Japan for 1987-88 Grant for purchases of the training and testing equipment or agricultural machinery and services necessary for the installation of the equipment/transportation of equipment to ports in India by the Farm Machinery Institutes."

IV. (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi, indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or in the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi, or if this is not possible, should be remitted by means of a demand draft obtained from any branch of the State Bank of India, or its subsidiaries or any of the Nationalised Banks (Drower) drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi-6 (drawee and payee) for credit to Government account as contemplated in Public Notice No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-6-68, No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968 and No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976.

IV. (iii) The concerned bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India on account of service charges within seven days after such demand is made by the Government. While filling in the various columns in the Challan it should be ensured by the Importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 and also in Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 read with Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury Challans :

- (a) Ministry of Finance 'A/P' (Authorisation to Pay) No. & date.
- (b) Amount of Yen Currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.

- (c) Date of payment to the Japanese supplier.
- (d) The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.
- (e) Total amount deposited.

(Interest is to be calculated for the period from the date of payment to the Japanese supplier upto and inclusive of the date of deposit of rupee equivalents into Government Account).

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the A/P issued by him and also enclosing copies of invoice and shipping documents.

Note : Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payment and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo, and that the CAA&A, Ministry of Finance (DEA), New Delhi is informed immediately thereafter.

IV. (iv) The concerned bank in India should also endorse the account of rupee deposits on the exchange central copy of the licence and send the requisite '5' Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

#### Section V : Miscellaneous Provisions

1. (i) Reports on the utilisation of the Grant Aid : The importer should send a monthly report after the A/P has been issued regarding shipments and payments made thereagainst and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

The importer should apprise the supplier of any special provisions in the import of goods under this Grant Aid which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

V. (ii) Disputes : It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for dispute, if any, that may arise between the importer and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-I under "Terms of Payment". Provision dealing with a settlement of disputes be included in the condition of contract.

V. (iii) Future Instructions : The importer shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the imports and for meeting all obligations under the Grant Aid for 1987-88 from Japan.

V. (iv) Breach or Violation : Any breach or violation of conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports & Exports (Central) Act.

#### V. (v) List of Annexures :

Annexure-I : Request for issue of A/P.

Annexure-II : Form of A/P.

#### ANNEXURE-I

#### "REQUEST FOR ISSUE OF THE AUTHORISATION TO PAY"

No. ....

To

The Controller of Aid Accounts and Audit,  
Ministry of Finance,  
Department of Economic Affairs,  
UCO Bank Building, 1st Floor,  
Parliament Street,  
New Delhi-110001

Subject :—Import of Testing and Training equipment for agricultural machinery and services necessary for the installation of the equipment|transportation of the equipment to ports in India from Japan under the Japanese Grant Aid of Yen 371 million for 1987-88.

Sir,

In connection with the import of above mentioned equipment from Japan under the above mentioned Grant Aid, we furnish the following particulars to enable you to issue the A/P to the Bank of India, Tokyo in favour of the Japanese Supplier concerned :

- (a) Name and address of Indian Importer.
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement whether it is based on direct purchase or limited open tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Gross C&F or FOB value of contract (in Yen).
- (g) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any, payable in Indian rupees.
- (h) Net C&F or FOB value (in Yen) for which the A/P is required.
- (i) Name and date of the contract with Japanese suppliers.
- (j) Name and address of the Japanese Supplier.
- (k) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (l) Expected date of completion of deliveries.
- (m) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).

- (n) Shipment instructions (indicate if transshipment/partshipment permitted or not permitted).
- (o) Name and address of Import's bank in India.
- (p) Undertaking by the importer :—"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc., of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as seen as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers".

Yours faithfully,

ANNEXURE—II

No. F. ....

GOVERNMENT OF INDIA  
MINISTRY OF FINANCE  
(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the.....

To,

The Bank of India,  
Tokyo Branch,  
Tokyo (Japan).

Subject :—Import of ..... and services necessary for the installation of the equipment/transportation of the equipment to ports in India from Japan under Japanese Grant Aid of Yen 371 million for 1987-88. Issue of Authorisation to Pay.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated.....entered into with your Bank, you are hereby authorised to pay an amount not exceeding Yen.....to M.....as per details given in the appendix.

2. Please advise the Supplier of the fact of receipt of this Authorisation to Pay (A/P) and endorse a copy of this advice to the Government of Japan, Importers Bank, Embassy of India, Tokyo and this Ministry.

3. Payments to the suppliers in terms of the A/P will be made on the basis of shipping documents as indicated in the Appendix.

4. Banking charges including charges for handling documents and charges of Overseas Suppliers, Bankers if any payable to you by the importer, will be settled directly by the importer's bank.

5. As and when any payment is made by you on the basis of shipping documents presented by the 1908 GI/88—2

Japanese supplier an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry and the importer's bank.

6. No amendment to this A/P may be advised in the absence of a specific authority from this Ministry.

7. This A/P will remain valid upto- .....

Yours faithfully,

(.....)

Account Officer

Copy forwarded to :—

1. Importer.....with reference to their letter No. ....dated .....

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign Nationals the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail acts on as mentioned in the Licensing conditions.

2. Importer's Banker..... They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the Japanese Suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amount disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Japanese suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @ 12 per cent per annum for the period excess thereof reckoned for the @ 18 per cent per annum for the period excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government account, is required to be deposited into the Government of India account, in terms of Public Notices No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-1983. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the supplier and also the date on which rupee deposit is made into Government. (Any change in this rate will be intimated if any when made). It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs Clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or in the S.B.I., Tis Hazari, Delhi or remitted by means of a demand draft obtained by them from any Branch of the S.B.I. or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the S.B.I., Tis Hazari, Delhi-5 (Drawee

and Payee). In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-74 and 103-ITC(PN)/75 dated 12-10-76. The head of account to be credited is 'K-Deposits and Advances-843-CIVIL Deposits—Deposit for purchases etc. abroad Purchases under Grant Aid from Government of Japan for 1988 'under detailed head' Yen million grant aid for purchase of the equipment and services necessary for installation of the equipment/transportation to port in India'.

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controllor of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs).

1st Floor, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases, full particulars of the rupee equivalents deposited alongwith the amount of interest paid and the period for which interest has been calculated should be furnished to this Department.

The banking charges, of the Bank of India, Tokyo Branch, including of the overseas suppliers bankers, if any, should be settled directly between the Indian Bank and the Bank of India, Tokyo Branch.

3. Embassy of India, Tokyo.

4. The Under Secretary (FC), Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

( )  
Account Officer